नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

आत्मनिर्भर भारत और सामाजिक समरसता की आवश्यकता

नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाते हुए संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत का मार्गदर्शक संबोधन प्रस्तुत किया. यह भाषण केवल संघ कार्यकर्ताओं के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए विचार करने योग्य था. इसमें स्वदेशी से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक समरसता से लेकर पर्यावरण और पड़ोसी देशों की चुनौतियों तक- भारत के भविष्य को प्रभावित करने वाले सभी बिंदुओं को समाहित किया गया.

सबसे पहले, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर दिया गया संदेश आज की वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक है. अमेरिका और अन्य देशों की टैरिफ नीतियां विश्व व्यापार को झकझोर रही हैं. ऐसे समय में भारत के लिए 'स्वावलंबन' केवल आर्थिक विकल्प नहीं, बल्कि अस्तित्व और गरिमा की शर्त है. यह गांधीजी के स्वदेशी विचारों का आधुनिक रूपांतरण है. डॉक्टर भागवत ने यह स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता हमें विदेशी दबावों और आर्थिक असमानताओं से मुक्त कर सकती है.

दूसरा बड़ा मुद्दा था राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद. अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुआ आतंकी हमला केवल एक जघन्य अपराध नहीं, बल्कि भारत की आस्था और विविधता पर सीधा प्रहार था. 26 निर्दोष भारतीयों को धर्म पूछकर मौत के घाट उतारने की घटना ने आतंकवाद का क्रूर चेहरा सामने ला दिया. भागवत का यह कहना कि 'इस घटना ने सच्चे मित्र और शत्रु की पहचान करा दी,' हमारे विदेश और सुरक्षा नीति की गहरी वास्तविकता को उजागर करता है. भारत को सजग और सक्षम बने रहना होगा,यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिकों का भी साझा दायित्व है.सामाजिक समरसता और हिंदू राष्ट्रीयता पर संघ प्रमुख का विचार उनके लंबे चिंतन का परिणाम है. उन्होंने विविधताओं को विभाजन का कारण न मानकर, उन्हें भारतीयता के सूत्र में पिरोने की बात कही. 'हिंदू, हिंदवी या आर्य',इन शब्दों के माध्यम से उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारत की राष्ट्रीयता का मूल तत्व सांस्कृतिक एकात्मता है, जो सभी को समाहित करता है. आज जब जाति, भाषा और धर्म के नाम पर समाज में विभाजन की राजनीति हो रही है, तब यह विचार संतुलन और समन्वय का मार्ग सुझाता है.पड़ोसी देशों में अस्थिरता को लेकर जताई गई चिंता भी भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़ी है. नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में उथल-पुथल का असर भारत पर पड़ना स्वाभाविक है. भागवत का यह कहना कि हिंसा स्थायी परिवर्तन का उपाय नहीं हो सकती, दक्षिण एशिया की राजनीति के लिए एक संतुलित परामर्श है.

पर्यावरण और प्राकृतिक आपदाओं के संदर्भ में संघ प्रमुख ने हिमालय की सुरक्षा को केंद्र में रखा. यह न केवल भारत बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए जीवनरेखा है. उपभोक्तावादी विकास मॉडल से पैदा हुई आपदाएं इस चेतावनी को और भी गंभीर बना देती हैं .इतिहास और संस्कृति के संदर्भ में उन्होंने गुरु तेग बहादुर और महात्मा गांधी के बलिदानों को याद किया. यह संकेत है कि संघ अपने शताब्दी वर्ष में केवल संगठनात्मक उपलब्धियों का उत्सव नहीं मना रहा, बल्कि भारत की आत्मा को पोषित करने वाली परंपराओं से प्रेरणा भी ले रहा है. कुल मिलाकर संघ के पंच परिवर्तन कार्यक्रम,सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वत्व और स्वावलंबन, तथा नागरिक कर्तव्य ,आने वाले दशकों के लिए भारतीय समाज की दिशा तय कर सकते हैं. यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष को भविष्य के निर्माण की आधारशिला बनाता है.

स्पष्ट है कि मोहन भागवत का विजयादशमी संदेश केवल उत्सव का भाषण नहीं, बल्कि भारत के सामने उपस्थित चुनौतियों और अवसरों का घोषणापत्र है. आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, समरसता, पर्यावरण और सांस्कृतिक चेतना—इन पांच आधारों पर भारत का भविष्य टिकेगा. शताब्दी वर्ष का यह उद्घोष हमें बताता है कि संघ के लिए शाखा केवल संगठनात्मक अनुशासन का केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का जीवंत प्रयोगशाला है.

मोटापे और कुपोषण से निपटने में सक्षम

अन्नपूर्णा देवी
केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

> हम राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को ऐसे THR व्यंजन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं जिनमें अतिरिक्त नमक और चीनी न हो, जिससे लाभार्थी अपनी व्यक्तिगत पसंद के अनुसार स्वाद बदल सकें. सभी आयु समूहों में वसा, नमक और चीनी (HFSS) की अधिकता वाले खाद्य पदार्थों के उपयोग को भी हतोत्साहित किया गया है. खाद्य गुणवत्ता में सुधार के लिए हमने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आग्रह किया है कि सामग्री को खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम 2011 का पालन करना चाहिए और शिशु आहार खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण हेतु खाद्य) विनियम, 2020 का पालन करना चाहिए. अतिरिक्त चीनी को 'ना' कहकर, भारत मोटापे, उच्च रक्तचाप व मधुमेह जैसी रोकथाम योग्य बीमारियों से मुक्त भविष्य के लिए 'हाँ' कह रहा है.

2018 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीके दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत के पोषण परिदृश्य को रूपांतरित करने के लिए एक प्रमुख योजना के रूप में पोषण अभियान शुरू किया गया था. महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं कल्याण पर केंद्रित यह मिशन, भारत की कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ है. यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक विकासशील भारत के निर्माण हेतु प्रतिबद्धता है- एक ऐसा भारत जो स्वस्थ, सशक्त और समावेशी हो.'विकसित भारत-2047' की यात्रा में पोषण अभियान एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु संकल्पित है- एक ऐसा भारत जहाँ हर बच्चा सुपोषित हो, हर माँ सशक्त हो, और हर नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिले.

जब एक बच्चा सही पोषण पाता है, अच्छीतरह सीखता है और मजबूती से बढ़ता है- तो हम केवल एक जीवन नहीं, बल्कि सम्पूर्णराष्ट्र की दिशा बदलते हैं. बच्चों को पर्याप्त पोषण, शिक्षा और सामुदायिक देखभाल प्रदान करके हम एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य में निवेश कर रहे हैं- विकसित भारत के भावी नेतृत्व को आकार दे रहे हैं. एक स्वस्थ बच्चा केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की चिंगारी है.

मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से मंत्रालय बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के पोषण परिणामों को बेहतर बनाने हेतु एक समन्वित तंत्र विकसित कर रहा है. इस अभियान का केंद्र है, देशभर में फैले 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों का विशाल नेटवर्क, जो लगभग 10 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रहा है. यद्यपि इसमें 1 करोड़ से अधिक महिलाएँ और 23 लाख से अधिक किशोरियाँ शामिल हैं, लेकिन लाभार्थियों में से अधिकांश 6 महीने से 6 वर्ष की आयु के बच्चे हैं.

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 'एक समय पर एक भोजन' के सिद्धांत पर कार्य करते हुए 8 करोड़ से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के ज़रिए, भविष्य को पोषित कर रहा है. इस प्रयास का मूल है- पूरक पोषण कार्यक्रम, जिसके अंतर्गत बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन और सभी लाभार्थियों को पौष्टिक टेक होम राशन प्रदान किया जाता है, जिसका उद्देश्य अनुशंसित आहार भत्ता (आरडीए) और औसत दैनिक सेवन (एडीआई) के बीच के महत्वपूर्ण अंतर को पाटना है. हम विविध आहार को अपनाते हुए स्थानीय, मौसमी और पारंपरिक खाद्य पदार्थों जैसे श्री अन्न- जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, कुट्टु आदि को बढ़ावादेकर- हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि प्रत्येक बच्चे को सीखने, बढ़ने और फलने-फूलने के लिए आवश्यक ऊर्जा मिले.

जहाँ हमने बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग की समस्याओं सेनिपटने में प्रगति की है, वहीं अब हम एक अन्य महत्वपूर्ण पोषण संकेतक- अधिक वजन और मोटापे की समस्या को भी दूर करने की दिशा में अग्रसर हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, बचपन में मोटापा बच्चों के वयस्क होने पर उनके लिए गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है, जिससे टाइप-2 मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. मोटापे और अधिक वजन के मनोवैज्ञानिक परिणाम भी हो सकते हैं, जो स्कूल के प्रदर्शन और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं, और बढ़ते भेदभाव और कलंक के कारण यह स्थिति और भी बदतर हो जाती है.

यूनिवर्सिटी ऑफ़ सदर्न कैलिफ़ोर्निया द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया बर्कले और मैकगिल के सहयोग से किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को गर्भावस्था के दौरान गर्भ में रहते हुए भी, अपने पहले 1,000 दिनों के दौरान चीनी सेवन पर नियंत्रण लगाया गया, उनमें वयस्क होने पर टाइप 2 मधुमेह होने का जोखिम 35 प्रतिशत तक कम और उच्च रक्तचाप होने का जोखिम 20 प्रतिशत तक कम हो गया. यह दर्शाता है कि गर्भवती माँ का चीनी सेवन भी बच्चों के दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है.

मालवा- निमाड़ की डायरी

चर्चाएं और विजय शाह की धुकधुकी

संजय व्यास

निगम-मंडल और आयोगों में नियुक्तियों की कवायद के बीच मुख्यमंत्री मोहन यादव की लगातार दिल्ली दौड़ से अंचल में बेचैनी है. राजनीतिक नियुक्तियों के साथ यह भी चर्चा है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जा सकता है. कुछ ड्राप भी हो सकते हैं. हाल के सप्ताहभर में मुख्यमंत्री यादव की दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह से बार-बार हई मुलाकात कुछ इशारा कर रही हैं. कर्नल सोफिया पर बयान विवाद में उलझे जनजाति मंत्री विजय शाह की राष्ट्र स्तरीय निंदा और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने के बाद पार्टी ने भले ही तात्कालीक एक्शन न लिया, पर जो उसकी छबि धूमिल हुई उस भरपाई में अब कठोर निर्णय की संभावना है.

चर्चा है कि विजय शाह को कुछ समय के लिए सत्ता भागीदारी से विश्राम दिया जा सकता है. राजनीतिक समीकरण में विजय शाह का पलड़ा भारी बैठता है और खंडवा के आदिवासी क्षेत्रों में तगड़ी पकड़ से वे लगातार विधायक बनते रहने के बावजूद बेमन से उनके खिलाफ निर्णय लिया जा सकता है. इस पर असमंजस की स्थिति को ही मुख्यमंत्री यादव की दिल्ली में वरिष्ठों से बैठकों को जोड़ा जा रहा है.

यदि सुप्रीम कोर्ट का शाह पर एफआईआर के पक्ष में फैसला आया तो मुश्किल होगी, इसलिए चर्चा है कि उसके पहले ही पार्टी कोई एक्शन ले सकती है. फिलहाल अप्रिय खबरों से विजय शाह की धुकधुकी बनी हुई है. इसके अलावा प्रदेश के विकास की गति में रोड़ा बन रहे मंत्रियों के भी पर काटे जाने की चर्चा है. इन सब विषयों पर ठोस निर्णय के लिए ही मोहन यादव के दौरे हो रहे हैं.

अब केवल असली क्रिकेट प्रेमी रह गए

क्रिकेट सीजन में मालवा-निमाड़ अंचल हर मैच के दौरान धूम-धड़ाक रहता था. गली मोहल्लों में चौके-छक्के, आउट होने पर कई लोग फटाकों से उत्साह व्यक्त करते थे. हाल के दिनों में यह सब नगण्य रह गया. कारण केंद्र सरकार का गेमिंग एप पर प्रतिबंध व अपराध घोषित करना है. इसके बाद से क्रिकेट प्रेमियों में विभाजन हो गया. असली प्रेमी रह गए और क्रिकेट सट्टा प्रेमी जश्न से नदारद. पहले एप के जरिये हर बाल पर कितने रन बनेंगे, चौका-छक्का लगेगा या आउट होगा पर सटोरिये दांव लगवाते थे. यही टीम की हार-जीत पर भी सट्टा लगता था. इसलिए किसी का दांव लगता था तो मोहल्ला फटाकों की आवाज से सिर उठा लेता था. एप पर बंदिश और सख्ती के कारण ही अंचल में नकली क्रिकेट प्रेमियों का धूम-धड़ाका गुम हो गया है.

नोटिस पर बिफरे नेताजी

देवास के वरिष्ठ कांग्रेस नेता रितेश त्रिपाठी कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक में उनके खिलाफ सदस्यों द्वारा उठाई गई नोटिस देने की बात पर बिफर गए. मामला प्रदेश सह प्रभारी संजय दत्त से जुड़ा बताया जा रहा है. रितेश त्रिपाठी संजय दत्त की कार्य पद्धति पर कई समय से सवाल उठाते आए हैं. उनका मानना है कि दत्त यहां आते हैं तो केवल प्रायवेट लिमिटेड कांग्रेसी नेताओं से बात करके चले जाते हैं, उनकी बात सुनी जाती है और हम जैसे निष्ठावान कार्यकर्ताओं को नजर अंदाज किया जाता रहा है. इसी नाराजगी के बीच रितेश त्रिपाठी की शिकायत की गई कि उन्होंने फिल्म खलनायक के संजय दत्त के माध्यम से सह प्रभारी की छबि को जोड़ा. बताया जा रहा है कि जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष के ध्यानाकर्षण पर जिलाध्यक्ष मनीष चौधरी ने रितेश त्रिपाठी को नोटिस देने की कार्रवाई की. इसके बाद देवास की राजनीति गरमा गई है. त्रिपाठी ने भी सबूत के साथ उनके खिलाफ षडयंत्र रच रहे नेताओं को घेरने की तैयारी कर ली है.

अमेरिका से बाहर बनी फिल्मों पर टैरिफ

अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप के कुछ कदम अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसे होते हैं, जिनकी वजह से उनके ही उद्योगों को नुकसान उठाने की नौबत आ जाती है. उन्होंने विदेश में बनी अमेरिकी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है. उनका कहना है कि अन्य देशों ने अमेरिका फिल्म निर्माण व्यवसाय इस तरह चुरा। लिया है, जैसे किसी बच्चे के मुंह से कैंडी छीन ली जाए. ट्रंप अपने इस कदम से हॉलीवुड का पक्ष लेते प्रतीत होते हैं, लेकिन तथ्य यह है कि अमेरिका में फिल्म बनाने पर ज्यादा लागत आती है. विदेशी लोकेशन पर शूटिंग करने में खर्च कम होता है, क्योंकि वहां बहुत सी सुविधाएं अल्प व्यय में मिल जाती हैं. कलाकारों को विमान से विदेश ले जाने, होटल में ठहराने व दर्शनीय स्थल में शूटिंग का सारा तामझाम पूरा करने में भी हॉलीवुड के फिल्म निर्माताओं का सारा काम बजट के भीतर हो जाता है. अमेरिका में स्टूडियो का किराया, टेक्नीशियन की फीस आदि मिलाकर अधिक धन खर्च होता है. इसीलिए अमेरिकी निर्माता कुछ ब्रिटिश, यूरोपीय या एशियाई कलाकारों को लेकर विदेशी लोकेशन पर बहुराष्ट्रीय सहयोग से फिल्म बनाने लगे हैं. ऐसा पहले से होता आ रहा है. जेम्स बॉंड से लेकर रैम्बो सीरीज की सारी फिल्में, टॉम क्रूज की फिल्में विदेश में शूट की जाती रही हैं. गन्स ऑफ नैवरोन में ब्रिटिश कलाकार डेविड निवेन थे. फिल्म ऑक्टोपसी में विजय अमृतराज और कबीर बेदी थे. भारत में वीएफएक्स और एनिमेशन की लागत कम पड़ती है. यदि फिल्म की प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ी तो टिकट महंगी रखनी पड़ती है और पर्याप्त मुनाफा नहीं मिलता. ट्रंप को यह सब कौन समझाए? अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन सी ग्रेड फिल्मों के अभिनेता रह चुके थे. इसी तरह ट्रंप ने भी 1989 में घोस्टस कान्ट डू इट नामक फिल्म में अभिनय किया था. उस फिल्म की शूटिंग श्रीलंका और मालदीव में हुई थी.

विदेशी लोकेशन पर शूटिंग करने में खर्च कम होता है, क्योंकि वहां बहुत सी सुविधाएं अल्प व्यय में मिल जाती हैं. कलाकारों को विमान से विदेश ले जाने, होटल में ठहराने व दर्शनीय स्थल में शूटिंग का सारा तामझाम पूरा करने में भी हॉलीवुड के फिल्म निर्माताओं का सारा काम बजट के भीतर हो जाता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

लगातार उछलता जा रहा सोना बढ़ते रेट से हैरान मत होना

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, जिन लोगों ने सोने में इन्वेस्टमेंट किया था, उन्हें बहुत अच्छा और उम्मीद से ज्यादा मुनाफा हो रहा है. 5 वर्षों में गोल्ड में 200 प्रतिशत रिटर्न मिला है. अभी दशहरा और फिर धनतेरस दिवाली तक यह और ऊंची छलांग लगाएगा.

हमने कहा, सोना घरेलू बचत या बैंकिंग का पुराना माध्यम रहा है. महिलाओं को स्वर्णाभूषण बहुत लुभाते हैं. यह समृद्धि का प्रतीक है. इतिहास में गुप्त काल को स्वर्णयुग या गोल्डन एज कहा गया है. प्राचीनकाल में स्वर्ण मुद्राएं चला करती थीं जिन्हें अशर्फी कहा जाता था. भारत को सोने की चिड़िया कहते थे क्योंकि तब मथुरा और रोम के बीच व्यापार संबंध था. तब भारत से रेशम भेजा जाता था, जिसके बदले रोम के शासक सोने में भुगतान करते थे. हमारे सभी राजा-महाराजा सोने का मुकुट पहनते थे. विक्रमादित्य सोने के सिंहासन पर बैठते थे. तख्त-ए-ताऊस भी स्वर्ण निर्मित था. आज भी औसत रूप से हर भारतीय परिवार के पास 5 तोला सोना तो जरूर होगा.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, एशिया महाद्वीप में कभी सोना ही सोना था. रावण की सोने की लंका हनुमान ने जला दी थी. द्वारका में रहने वाले सत्राजित ने अपनी तपस्या से सूर्य को प्रसन्न कर वरदान में स्यामंतक मणि पाई थी जो रोज ढेर सारा सोना उगलती थी. कहते हैं कि पारस पत्थर के स्पर्श से लोहा भी सोना बन जाता था. ग्रीक राजा मिडास ने देवता से वरदान मांगा था कि वह जिस चीज को हाथ लगाए वह सोने की बन जाए. तब उसका भोजन और पानी सोने में परिवर्तित हो गया और छूते ही उसकी बेटी सोने की पुतली बन गई तो वह पछताया और उसकी प्रार्थना पर भगवान ने वरदान वापस ले लिया. अब वैज्ञानिकों ने लैब में पारे से सोना बनाया है. इसकी प्रक्रिया काफी जटिल है और लागत भी ज्यादा आती है. पहले भी सोना बनाने का साइंस रहा होगा तभी तो ऐसा करने वाले को अंग्रेजी में अलकेमिस्ट और उर्दू में कीमियागर कहा जाता है. यह शब्द यूं ही नहीं बने.

हमने कहा, लगभग 50 वर्ष पहले जब सोना सस्ता था तब स्वर्णसुंदरी नामक फिल्म आई थी जबकि अब परमसुंदरी नाम की फिल्म बनी है.

हमने कहा, सोने को लेकर पंकज उधास ने गाया था- सोने जैसा रंग है तेरा, चांदी जैसे बाल! एक फिल्मी हीरोइन ने भी गाया था- सोना ले जा रे, चांदी ले जा रे, दिल कैसे दूंगी परदेसी कि बड़ी बदनामी होगी.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12039 - डॉ. सागर खादीवाला

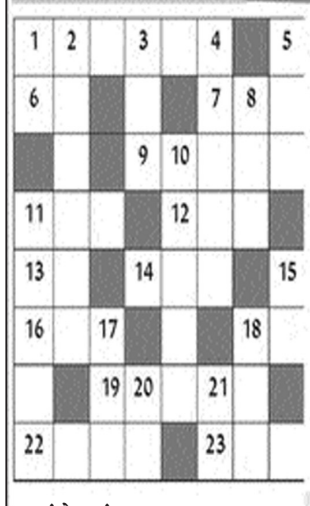

लोक 23. निगलना
ऊपर से नीचे
1. शाख 2. देखने में सुंदर 3. डर दिखाना 4. नमक निकालने या बनाने का स्थान (उर्दू) 5. कीर्तिगायक, भाट (सं.) 8. निपटाना, बनाना 10. सहायक, सहायता करने वाला 11. अमृत का समुद्र (सं.) 15. तस्वीर, रेखाओं अथवा रंगों द्वारा बनी हुई किसी वस्तु की आकृति 17. नष्ट किया हुआ (सं.) 18. किसी कार्य का अपनी ओर से आरंभ 20. समय, मृत्यु 21. दुर्वचन, कलंकपूर्ण आरोप

बाएं से दाएं
1. क्रिकेट के एक इतिहास पुरुष 6. धुन, गीत गाने का सुंदर ढंग 7. मगर या घड़ियाल, बारह राशियों में से एक 9. नाम रखने का काम या संस्कार 11. ऐसा समय जिसमें भोजन खूब मिले तथा अन्न की उपज पर्याप्त हो, सुकाल (सं.) 12. बिछाना 13. प्रवाह, किसी दिशा में किसी वस्तु या तत्व का निरंतर प्रवाहित होना, दफा 14. रूपवान, खूबसूरत 16. प्रतियोगिता, भेंट, मुलाकात 18. चिट्ठी, खत, पर्ण 19. शिकार खेलने की जगह (उर्दू) 22.पृथ्वी के नीचे के लोकों का छठा

Solution 12038

अ	स	मा	न	■	क	पि	ल
सं	त	■	न	कु	ल	■	द
ग	ह	न	■	ह	ह	र	ना
ति	■	शे	र	नी	■	ज	■
■	शा	म	त	■	सु	ता	न
म	का	न	■	अ	वि	च	ल
चा	हा	■	से	ग	दि	ल	■
न	री	■	■	रू	प	■	पी

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष क प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय में वृद्धि होगी, आर्थिक लाभ होगा, उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक रहेंगे, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है, व्यवसाय में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन पर लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये व्यक्तित्व में विकास होगा, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वाभाव से चंचल, मिलनसार होगा, ईश्वर तथा गुरूजनों का भक्त होगा, संतान की संख्या अधिक होगी, लेखन, एवं साहित्य का संग्रह करेगा, नौकरी में विशेष तरक्की होगी, माता पिता को सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

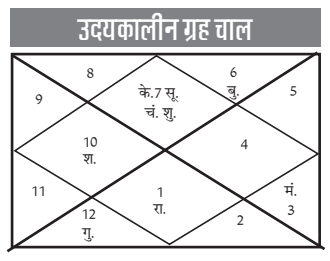

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2082 आश्विन शुक्ल द्वादशी शनिवासरे दिन 2/4, धनिष्ठा नक्षत्रे प्रात: 7/6, शूल योगे शाम 6/51, बालव करणे सू.उ. 6/8, सू.अ. 5/52, चन्द्रचार कुम्भ, पर्व- शनि प्रदोष व्रत, शु.रा. 11, 1, 2, 5, 6, 8 अ.रा. 12, 3, 4, 7, 9, 10 शुभांक- 4, 6, 0.

व्यापार भविष्य

आश्विन शुक्ल द्वादशी को धनिष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड, नमक, चांवल, रूई, के भाव में चढ़ाव के साथ उतार आयेगा, जीरा, केभाव में स्थिति यथावत रहेगी, सोना, चांदी, के भाव में मंदी का योग है, भाग्यांक 2565 है.

मेष- विवादों के कारण कर्ज लेना पड़ सकता है, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, भावुकता के कारण दाम्पत्य जीवन में परेशानी हो सकती है.

वृषभ- जल्दबाजी में किये फैसले बदलने पड़ सकते हैं, नये संपर्कों से लाभ होगा, नियोजित कार्य पूरा होने से मन में हर्ष होगा, अतिथि आगमन होगा.

मिथुन- जटिल कार्य सहज में ही पूरे होंगे, जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ जायेगी, पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा, आय का नया साधन उपलब्ध हो सकता है.

कर्क- अनुभवी लोगों की सलाह से लाभ होगा, घर की साज सज्जा पर खर्च होगा, श्रम एवं प्रयास करने से सफलता मिलेगी, पारिवारिक कार्यों में अधिकता रहेगी.

सिंह- विरोधी खुलकर विरोध कर सकते हैं, मित्रों की उपेक्षा न करें, कोई मूल्यवान वस्तु प्राप्त हो सकती है, अधिकारियों का सहयोग रहेगा.

कन्या- भावनात्मक संबंधों में चल रहा गतिरोध दूर होगा, रोजगार के अवसर मिलेंगे, जारी प्रयासों में सफलता मिलेगी, संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी.

तुला- खानपान की लापरवाही से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, अधिक जोश में सावधानी रखें. धन एवं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, राजनैतिक दायित्व आ सकते हैं.

वृश्चिक- कार्यक्षेत्र की उलझने दूर होंगी, आय के साधन बढ़ेंगे धार्मिक प्रवास होगा, लाभ होगा. यातायात के साधनों में वृद्धि होगी.

धनु- भाग्य के भरोसे रहे तो अच्छे अवसर गंवा देंगे, मनमौजी रवैया तरक्की में बाधक होगा, वाहन चलाते समय सावधानी रखें, चोट चपेट आदि से कष्ट होगा.

मकर- लोगों को अपनी बात समझाने का प्रयास, भावुकता पर नियंत्रण रखें, जमीन जायजाद प्रापर्टी आदि की प्राप्ति होगी, उच्च अध्ययन के लिये यात्रा होगी.

कुम्भ- नई योजनाओं की शुरूआत में परेशानी होगी, उच्च अध्ययन के लिये यात्रा होगी, किसी पुराने व्यक्ति से काम की योजना बनेगी, धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी.

मीन- अधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त होगा, आर्थिक योजनाओं में वृद्धि होगी, दूर दराज की यात्रा करना होगी, नवीन कार्य प्रारंभ होगा.

SUDOKU 7171

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू.दोकू 7170

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8